अभ्यास पत्रक

पाठ – आत्मकथ्य

नाम :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

प्रश्न 1: काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) (1×5 = 5 अंक)

मधुप गुन – गुनाकर कह जाता कौन कहानी यह अपनी ,
मुरझाकर गिर रहीं पत्तियाँ देखो कितनी आज घनी ।
इस गंभीर अनंत – नीलिमा में असंख्य जीवन – इतिहास
यह लो , करते ही रहते हैं अपना व्यंग्य – मलिन उपहास ।

1. 'मधुप' किसका प्रतीक है?
   (क) कवि का मन (ख) भौंरा (ग) प्रेम (घ) स्मृति
2. कवि के अनुसार 'पत्तियाँ मुरझाकर गिर रही हैं' का तात्पर्य क्या है?
   (क) ऋतु परिवर्तन (ख) जीवन की सच्चाई
   (ग) जीवन की निराशा (घ) पतझड़ का आनंद
3. 'अनंत नीलिमा' से कवि का आशय किससे है?
   (क) समुद्र (ख) ब्रह्मांड (ग) मृत्यु (घ) आकाश
4. 'व्यंग्य-मलिन उपहास' किसके प्रति किया जाता है?
   (क) कवियों के काव्य के प्रति (ख) आत्मकथाओं की दुर्बलताओं के प्रति
   (ग) प्रेम-प्रसंगों के प्रति (घ) नारी सौंदर्य के प्रति
5. कवि आत्मकथा लिखने से क्यों बचना चाहते हैं?
   (क) उन्हें लिखना नहीं आता (ख) उनका जीवन सुखमय नहीं रहा
   (ग) मित्रों का उपहास नहीं करना चाहते (घ) दोनों (ख) और (ग)

प्रश्न 2: रिक्त स्थानों की पूर्ति करें – (1×2 = 2 अंक)

1. "यह _____! अरी सरलते, तेरी हँसी उड़ाऊँ मैं।"
2. "सुनकर क्या तुम भला करोगे मेरी भोली _____।"

प्रश्न 3: लघु उत्तरीय प्रश्न (30 शब्दों में उत्तर दें) (4 में से कोई 3 करें) – (3×2 = 6 अंक)

1. कवि 'सरलता' को विडंबना क्यों मानते हैं?

उत्तर - .....
.....
.....
.....

2. 'गागर रीती' रूपक का प्रयोग किस संदर्भ में हुआ है?

उत्तर - .....
.....
.....
.....

3. कवि अपनी आत्मकथा न लिखने के क्या तर्क देते हैं? (कोई दो)

उत्तर - .....
.....

egyanarchive

4. कवि की पत्नी की स्मृति उनके जीवन में क्या स्थान रखती है?

उत्तर -

प्रश्न 4: निम्नलिखित में से किसी एक काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या करें – (1×4 = 4 अंक)

(क) *मिला कहाँ वह सुख जिसका मैं स्वप्न देखकर जाग गया।*
आलिंगन में आते – आते मुसक्या कर जो भाग गया।

(ख) *छोटे से जीवन की कैसे बड़ी कथाएँ आज कहूँ?*
क्या यह अच्छा नहीं कि औरों की सुनता मैं मौन रहूँ?

उत्तर -

प्रश्न 5: दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (1×8 = 8 अंक) *उत्तर सीमा: 80–100 शब्द*

प्रश्न: जयशंकर प्रसाद की कविता 'आत्मकथ्य' आत्मकथा लिखने के सामाजिक, मानसिक और भावनात्मक पक्षों की गहन अभिव्यक्ति है। कवि के आत्मसंघर्ष और उनके तर्कों के आलोक में कविता का मूल्यांकन कीजिए।

उत्तर -

egyanarchive

उत्तर कुंजी

प्रश्न 1 – MCQ उत्तर:

1. (अ) कवि का मन
2. (ग) जीवन की निराशा
3. (घ) आकाश
4. (ख) आत्मकथाओं की दुर्बलताओं के प्रति
5. (घ) दोनों (ख) और (ग)

प्रश्न 2 – रिक्त स्थान उत्तर:

1. विडंबना
2. आत्म–कथा

प्रश्न 3 – लघु उत्तरीय उत्तर:

1. क्योंकि सरल व्यक्ति अधिक धोखा खाता है और उसकी हँसी उड़ाई जाती है; कवि को ऐसा अनुभव हुआ है।
2. 'गागर रीती' रूपक से कवि ने अपने जीवन की शून्यता और भावहीनता को व्यक्त किया है।
3. (i) दूसरों के उपहास से बचने के लिए
   (ii) आत्मकथा में कहने योग्य कुछ नहीं
   (iii) निजी क्षण सार्वजनिक नहीं करना चाहते
4. पत्नी की स्मृतियाँ ही कवि की प्रेरणा, स्नेह और जीवन की थकान दूर करने का साधन बन गई हैं।

प्रश्न 4 – व्याख्या संकेत:

(क)

यहाँ कवि उस सुख की बात कर रहे हैं जिसकी उन्होंने कल्पना की थी, लेकिन वह उनके पास आते-आते छिन गया – जैसे पत्नी की मृत्यु। यह व्याकुलता और खोए प्रेम का चित्रण है।

(ख)

कवि कह रहे हैं कि उनके छोटे-से जीवन में बड़ी बातें नहीं हैं; दूसरों की बातें सुनना ही बेहतर है। वे आत्मकथा को अर्थहीन मानते हैं।

प्रश्न 5 – दीर्घ उत्तर संकेत:

- कवि आत्मकथा को कहने से बचते हैं – उनका जीवन दुःखमय और सामान्य है।
- आत्मकथा में उनकी व्यक्तिगत क्षण, धोखेबाज मित्र, पत्नी की स्मृति, आदि हैं – जिन्हें वे सार्वजनिक नहीं करना चाहते।
- वे जीवन की विफलताओं और भावनात्मक पीड़ा को 'गागर रीती', 'थकी मौन व्यथा' जैसे प्रतीकों से प्रकट करते हैं।
- छायावादी भावबोध, आत्मदर्शन और गोपनीयता की भावना इस रचना की विशेषता है।

egyanarchive